ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 | जनवरी - I - 2023 | अंक - 19 | माउण्ट आबू | Rs.-10

मानसिक प्रदूषण की समाप्ति के लिए राजयोग मेडिटेशन ज़रूरी

भव्य एवं विशाल राजयोग मेडिटेशन सेंटर 'पीस पैलेस'

राज्यपाल ने 'पीस पैलेस' को समाज सेवा के लिए किया समर्पित और कहा...

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान मनुष्य में देवत्व का भाव जगाने में जुटी है

निगेटिविटी को पॉज़िटिविटी में बदलने का काम करेगा यहाँ का थॉट्स लैब

जयपुर-राज.। स्वस्थ जीवनशैली के लिए मानसिक प्रदूषण से मुक्ति ज़रूरी है और मानसिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए राजयोग मेडिटेशन आवश्यक है। इस दिशा में 'पीस पैलेस' समाज में शांति, प्रेम, पवित्रता और सद्भावना की स्थापना में अहम भूमिका निभाएगा। उक्त उद्गार राज्यपाल कलराज मिश्र ने ब्रह्माकुमारीज़ के मुरलीपुरा स्थित 'पीस पैलेस' ओम शांति मेडिटेशन सेंटर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि परमार्थ को लेकर जब हम विश्व कल्याण के लिए जुट जाते हैं तो शांति का भाव प्रकट होता है। यहाँ आकर मुझे भी अद्भुत शांति की अनुभूति हुई।

एक सराहनीय पहल 'थॉट्स लैब'-

राज्यपाल ने कहा कि यहाँ आकर पहली बार थॉट्स लैब के बारे में पता चला। मन में एक साथ कई विचार आते हैं, अच्छे, बुरे सभी। पर उसी निगेटिविटी को पॉज़िटिविटी में बदलने का कार्य इस थॉट्स लैब में किया जाएगा। जो अपने आप में एक अनोखी और सराहनीय पहल है।

विश्व की नारी द्वारा संचालित सबसे बड़ी संस्था-

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ विश्व की नारी द्वारा संचालित सबसे बड़ी संस्था है। हमारी संस्कृति में भी नारी को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। कहा जाता है 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता'। यह संस्था मनुष्य में देवत्व का भाव जागाने में जुटी है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रति वर्ष अभियान चलाकर बड़ी संख्या में पौधारोपण किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संस्था की यह अनुकरणीय पहल है। संस्था द्वारा व्यक्तित्व निर्माण का जो कार्य किया जा रहा है वह आज बहुत ज़रूरी है।

भारत फिर से देवभूमि बनेगा-

ब्रह्माकुमारीज के कार्यकारी सचिव एवं शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने कहा कि भारत को देवभूमि, स्वर्ग भूमि, भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध मुक्त, प्रदूषण मुक्त बनाने और निःशुल्क शिक्षा के स्वप्न को साकार करने के लक्ष्य को लेकर संस्थान 86 वर्षों से कार्य कर रहा है। इसके साथ ही लोगों के थॉट्स के लेवल को पॉज़िटिव और पावरफुल बनाने के लिए शिक्षा प्रभाग द्वारा देशभर में थॉट्स लैब की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को पॉज़िटिव और पावरफुल बनाने के लिए सेवाएं चल रही हैं। माउण्ट आबू से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी, अजमेर सबज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु.शांता बहन, पीस पैलेस भवन की स्थापना में अहम भूमिका निभाने वाले व्यापार एवं उद्योग प्रभाग के उपाध्यक्ष एम.एल. शर्मा तथा डॉ. प्रो. मुकेश ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम संचालन शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन बहन किया एवं आभार पीस पैलेस की निदेशिका ब्र.कु.हेमा दीदी ने माना। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष(राज्य मंत्री रिको दर्जा प्राप्त) सीताराम अग्रवाल,स्टेट ह्यूमन राईट कमिशन की डिप्टी सेक्रेटरी सीमा शर्मा, डॉ. आर.पी. खेतान, डायरेक्टर खेतान हॉस्पिटल, डॉ.संजय बियानी,डायरेक्टर बियानी ग्रुप ऑफ़ कॉलेज, जगदीश सोमानी,अध्यक्ष रीक्रिएशन क्लब वीकेआईए सहित शहर के गणमान्य जन उपस्थित थे। साथ ही इस मौके पर जयपुर सहित अजमेर, बीकानेर और माउण्ट आबू से आये हज़ारों ब्र.कु.भाई-बहनें मौजूद रहे।

राज्यपाल मिश्र ने रिबन काटकर और शिला पट्टिका का अनावरण कर किया उद्घाटन

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जयपुर, अजमेर, बीकानेर से शामिल हुए लोग

प्रशासनिक चुनौती में सफल होने के लिए अध्यात्म को अपनायें

ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासनिक सेवा प्रभाग द्वारा प्रशासकों के सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम का आयोजन

जम्मू-248ए ब्रह्माकुमारीज़ रोड। ब्रह्माकुमारीज के प्रशासनिक सेवा प्रभाग एवं स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा 'दया और करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय के तहत 'सुशासन और सतत् प्रगति के लिए प्रशासकों का सशक्तिकरण' विषयक कार्यक्रम में अरुण कुमार मेहता,आईएएस,मुख्य सचिव जम्मू-कश्मीर यूटी ने कहा कि अध्यात्म समय की आवश्यकता है। हमें बुराइयों को सहना नहीं चाहिए और न ही शिकायत करनी चाहिए, हमें उनसे लड़ना चाहिए, तभी हमारी आत्मा शुद्ध हो सकती है। हम इसे योग की मदद से हासिल कर सकते हैं जो ईश्वर से जुड़ने का तरीका है। रमेश कुमार,आईएएस, संभागीय आयुक्त जेएंडके यूटी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। जे पी शर्मा, उपकुलपति स्कास्ट,जम्मू ने कहा कि दया और करुणा मानवता के लिए अमूल्य गुण हैं। हम आध्यात्मिक रूप से मज़बूत हों, तभी हम इन गुणों का उपयोग कर सकते हैं। राजयोगिनी ब्र.कु. सुदर्शन दीदी,प्रभारी ब्रह्माकुमारीज़ जम्मू-कश्मीर/लद्दाख ने शब्दों से सभी का स्वागत किया।

राजयोगिनी ब्र.कु. विधात्री,फैकल्टी-एडमिनिस्ट्रेटर विंग एवं ओ.आर.सी, गुरुग्राम ने कहा कि समाज के लिए प्रशासनिक वर्ग का काम उचित, सुखद और आसान होना चाहिए। वैराग्य, दया, करुणा, दृढ़ इच्छा शक्ति और ईश्वर में अटूट विश्वास से किसी भी समस्या का समाधान आसानी से किया जा सकता है। प्रशासकों में इन गुणों का होना आवश्यक है ताकि वे बड़ी से बड़ी चुनौती को भी पार कर सकें। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी,उत्तरी क्षेत्र समन्वयक,प्रशासनिक सेवा प्रभाग एवं प्रभारी,ब्रह्माकुमारीज़ मोहाली ने प्रभाग एवं इसके नवीनतम प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया। राजयोगी ब्र.कु.रतन भाई,उत्तरी क्षेत्र समन्वयक,यूथ विंग,ब्रह्माकुमारीज़ ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का परिचय दिया। धन्यवाद ज्ञापन राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मल दीदी,प्रभारी,ब्रह्माकुमारीज़ गांधी नगर जम्मू ने किया। कार्यक्रम का संचालन राजयोगी ब्र.कु. रविंदर भाई,उत्तरी क्षेत्र समन्वयक स्पोर्ट्स विंग ब्रह्माकुमारीज़ ने किया। कार्यक्रम में उच्चाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से जुड़े लोग शामिल रहे।